Respect for the Guru-Shishya Tradition: ICFAI University Raipur celebrated Guru Purnima with reverence!!

आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय कुम्हारी में गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाया

महाकोशल न्यूज

कुम्हारी। आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक क्लब द्वारा गुरु पूर्णिमा समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए विद्यार्थियों ने शिक्षकों के द्वारा दिए गए ज्ञान, मार्गदर्शन और विद्यार्थी जीवन को संवारने में गुरुओं के अमूल्य योगदान को याद किया। सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. एस. डी. पांडे थे। अपने संबोधन में उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि- एक सच्चा गुरु न केवल ज्ञान देता है, बल्कि जीवन के मूल्य, अनुशासन और विद्यार्थियों में दूरदृष्टि भी उत्पन्न करता है। इसके पश्चात विभिन्न संकाय सदस्यों ने गुरु और शिष्य के पवित्र संबंधों पर अपने-अपने विचार साझा किए।कार्यक्रम का समापन कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। उन्होंने सांस्कृतिक क्लब तथा सभी सहयोगियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने कुलपति महोदय, समस्त शिक्षकगण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ की उपस्थिति को सराहा और आयोजन को सफल एवं स्मरणीय बनाने हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।

जीवन को संवारने में गुरुओं अमूल्य योगदान को किया याद

कुम्हारी @ पत्रिका. आईसीएफ एआई विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक क्लब ने गुरु पूर्णिमा समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने शिक्षकों द्वारा दिए ज्ञान, मार्गदर्शन और विद्यार्थी जीवन को संवारने में गुरुओं के अमूल्य योगदान को याद किया। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. एसडी पांडे ने कहा कि एक सच्चा गुरु न केवल ज्ञान देता है, बल्कि जीवन के मूल्य, अनुशासन और विद्यार्थियों में

दूरदृष्टि भी उत्पन्न करता है। कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय ने आभार व्यक्त किया।

आईसीएफएआई कालेज कुम्हारी में गुरु पूर्णिमा मनी

कुम्हारी। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक क्लब द्वारा गुरु पूर्णिमा समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में गुरुओं के अमूल्य योगदान को याद करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. एस. डी. पांडे थे। कार्यक्रम का समापन कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। उन्होंने सांस्कृतिक क्लब तथा सभी सहयोगियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया।

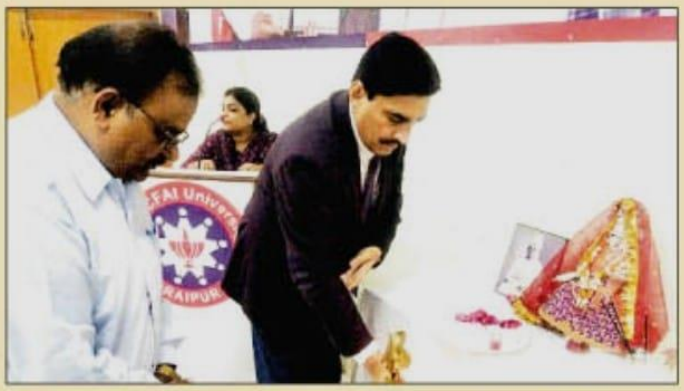

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय कुम्हारी में गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाया गया

कुम्हारी (चैनल इंडिया)। आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक क्लब द्वारा गुरु पूर्णिमा समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए विद्यार्थियों ने शिक्षकों के द्वारा दिए गए ज्ञान, मार्गदर्शन और विद्यार्थी जीवन को संवारने में गुरुओं के अमूल्य योगदान को याद किया। सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. एस. डी. पांडे थे। अपने संबोधन में उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि- एक सच्चा गुरु न केवल ज्ञान देता है, बल्कि जीवन के मूल्य, अनुशासन और विद्यार्थियों में दूरदृष्टि भी उत्पन्न करता है। इसके पश्चात विभिन्न संकाय सदस्यों ने गुरु और शिष्य के पवित्र संबंधों पर अपने-अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। उन्होंने सांस्कृतिक क्लब तथा सभी सहयोगियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने कुलपति महोदय, समस्त शिक्षकगण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ की उपस्थिति को सराहा और आयोजन को सफल एवं स्मरणीय बनाने हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।

CMYK

आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय कुम्हारी में गुरु पूर्णिमा धूमधाम से मनाया

कुम्हारी (कुबेर भूमि)। आई सी एफ ए आई विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक क्लब द्वारा गुरु पूर्णिमा समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति श्रद्धा प्रकट करते हुए विद्यार्थियों ने शिक्षकों के द्वारा दिए गए ज्ञान, मार्गदर्शन और विद्यार्थी जीवन को संवारने में गुरुओं के अमूल्य योगदान को याद किया। सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ सरस्वती वंदना से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा के आध्यात्मिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. एस. डी. पांडे थे। अपने संबोधन में उन्होंने गुरु-शिष्य परंपरा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि- एक सच्चा गुरु न केवल ज्ञान देता है, बल्कि जीवन के मूल्य, अनुशासन और विद्यार्थियों में दूरदृष्टि भी उत्पन्न करता है। इसके पश्चात विभिन्न संकाय सदस्यों ने गुरु और शिष्य के पवित्र संबंधों पर अपने-अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम का समापन कुलसचिव डॉ. मनीष उपाध्याय द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। उन्होंने सांस्कृतिक क्लब तथा सभी सहयोगियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने कुलपति महोदय, समस्त शिक्षकगण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ की उपस्थिति को सराहा और आयोजन को सफल एवं स्मरणीय बनाने हेतु सभी का आभार व्यक्त किया।